तेरा दर जबसे पाया है मैंने भजन लिरिक्स

तेरा दर जबसे पाया है मैंने,
आए कितने भी दु:ख ना डरता हूँ,
मैं तेरा नाम लिया करता था,
मैं तेरा नाम लिया करता हूँ।bd।

तर्ज – मेरी किस्मत में तू नहीं शायद।

सोचता हूँ की देखा क्या तुमने,
लगाया सेवा में मुझे अपनी,
मैं तो बड़ा पापी था प्रभु मुझको,
धूलि चरणों की दे दी है अपनी,
धूलि चरणों की दे दी है अपनी,
प्रेम शायद इसी को कहते है,
तेरी यादों में मस्त रहता हूँ,
मैं तेरा नाम लिया करता था,
मैं तेरा नाम लिया करता हूँ।bd।

करूँ कैसे मैं शुक्रिया तेरा,
तूने इतना दिया प्रभु मुझको,
पास मेरे नहीं है कुछ अपना,
करूँ अर्पण प्रभु मैं क्या तुमको,
करूँ अर्पण प्रभु मैं क्या तुमको,
निकले आंसू जो तेरी यादों में,
शुक्र उनसे मैं अदा करता हूँ,
मैं तेरा नाम लिया करता था,
मैं तेरा नाम लिया करता हूँ।bd।

तेरा दर जबसे पाया है मैंने,
आए कितने भी दु:ख ना डरता हूँ,
मैं तेरा नाम लिया करता था,
मैं तेरा नाम लिया करता हूँ।bd।

Singer – Sheetal Pandey

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com